Ques. बर्लिन कांग्रेस की व्याख्या करें
Berlin Congress.

पेरिस की संधि (मार्च 1856ई०) के अनुसार टुर्की के सुल्तान ने ईसाई प्रजा के राजनीतिक, अधिकार वैयक्तिक तथा धार्मिक स्वतंत्रता सरकारी पदों पर नियुक्ति का अधिकार तथा अन्य सुरक्षा सुविधाएं देने का वादा किया था लेकिन यह सब केवल कागजी बातें रही ईसाईयों पर केवल अत्याचार किये जाते थे लेकिन अब ईसाई प्रजा स्वतंत्रता तथा राष्ट्रीयता के प्रभाव में आकर टुर्की के सुल्तान की स्वेच्छाचारिता को सहने के लिए तैयार न थी वे भी सर्बिया यूनान तथा रुमानिया की तरह स्वतंत्र होना चाहते थे बाल्कन राज्यो ने सम्पूर्ण युरोप के स्लाव जातियों को एक सूत्र में बांधने के लिए अखिल स्लाव आंदोलन चलाया इस आंदोलन की सफलता का अर्थ था टुर्की के साम्राज्य का विनाश बाल्कन प्रायद्वीप में रुसी धर्म और जाति के नाम पर प्रभाव जमाना चाहता था अतः क्रीमिया युद्ध के बाद अखिल स्लाव आंदोलन को प्रोत्साहन देना रुस की बाल्कान नीति का मुख्य उद्देश्य था। 1867 में अखिल स्लाव का अधिवेशन हुआ जिसका उद्घाटन जार ने किया मास्को में अखिल स्लाव समिति का प्रमुख कार्यालय खोला गया मास्को विद्यालय में स्लाव विद्यार्थियों को स्लाव आंदोलन संबंधी शिक्षा दी जाती थी कुस्तुन्तुनिया स्थित रुसी दूतावास तथा बाल्कन प्रायद्वीप में फैले हुए रुसी वाणिज्य दूतावास इस आंदोलन के अड्डे थे।

REDMI NOTE 9 PRO
AI QUAD CAMERA

६

में स्वीकार करना राष्ट्रीयता के सिद्धांत के अनुकूल था लेकिन ① साइप्रस पर इंग्लैण्ड का तथा ② बोस्निया और हर्जेगोविना पर आस्ट्रिया का आधिपत्य कायम करना राष्ट्रीयता के सिद्धांत के बिल्कुल विपरीत था। इस प्रकार जिन राज्यों ने तुर्की की प्रादेशिक अखण्डता के नाम पर हस्तक्षेप किया था वो ही उसे लूट रहे थे।

तुर्की के साम्राज्य को सर्वनाश से बचाने के लिए बर्लिन सम्मेलन बुलाया गया लेकिन बाल्कन प्रायद्वीप और तुर्की साम्राज्य का कोई भी समाधान नहीं निकल सका।

⑤ मेसिडोनिया और रुमानिया को पुनः सुल्तान के अधिन कर दिया गया लेकिन यह व्यवस्था काफी खतरनाक सिद्ध हुई मेसिडोनिया के प्रश्न पर 1912 में प्रथम बालक युद्ध छिड़ा बुल्गेरिया के क्षेत्र को सीमित करने के प्रयत्न के कारण 1913 ई० में द्वितीय बालक युद्ध छिड़ा॥ बर्लिन व्यवस्था से यूनान भी असंतुष्ट था बोसनिया और हर्जेगोविना को आस्ट्रिया के अधिन किया गया जो की राजनीतिक स्थिती को और भी जटिल बना दिया

इस तरह हम कह सकते है की बर्लिन व्यवस्था पूर्णतः असफल रही।

An estimate

मूल्यांकन

बर्लिन व्यवस्था विश्वराजनीति के आधुनिक इतिहास की एक महत्वपूर्ण घटना मानी जाती है बर्लिन सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य बाल्कन क्षेत्र में रूस के बढ़ते हुए प्रभाव को रोकना और पूर्वी समस्या का संतोषजनक समाधान करके तुर्की साम्राज्य की रक्षा करना तथा बाल्कन क्षेत्र में रूस आस्ट्रिया और इंगलैण्ड के हितों में संतुलन स्थापित करना था इस प्रकार निकट पूर्व की समस्या को सुलझाने के लिए यह सम्मेलन बुलाया गया था लेकिन अनेक कारणों से सम्मेलन अपने उद्देश के प्राप्ति में असफल रहा इसी से उत्पन्न परिणामों के फलस्वरूप 1912 ई० और 1913 ई० में बाल्कन युद्ध हुआ और अंत: प्रथम विश्व युद्ध छिड़ा युरोप में शक्ति संतुलन बनाये रखने के लिए जर्जर तुर्की के साम्राज्य को जीवित रखना सम्मेलन का प्रमुख उद्देश्य था लेकिन इस उद्देश्य की पूर्ति न हो सकी

बर्लिन समझौता में राष्ट्रीयता के सिद्धांत की पूर्णत: उपेक्षा की गयी थी युरोपिय राजनीतिज्ञों के सामने शक्ति संतुलन का सिद्धांत इस तरह नाच रहा था कि इसने बाल्कन प्रायद्वीप की मुख्य समस्या को ही गौण बना दिया और यह समस्या थी राष्ट्रीयता का उत्थान सर्बिया मान्टिग्रो रूमानिया तथा बुल्गारिया को स्वाधीन राज्यों के रूप में

REDMI NOTE 9 PRO

⑥

सभापति का आसन ग्रहण किया।

बर्लिन सम्मेलन ने पूर्वी समस्या के संबंध में निम्नलिखित व्यवस्था की

रूस को ① बेसरेबिया का प्रदेश और आर्मेनिया का कुछ हिस्सा मिला रूमानिया को दोब्रुद्जा का प्रदेश दिया गया और साथ ही उसकी स्वतंत्रता भी स्वीकार कर ली गयी आस्ट्रिया को बोस्निया तथा हर्जेगोविना का प्रदेश प्राप्त हुआ तथा सर्बिया और मान्टिग्रो के बिच स्थित संजक के नोविबाजार नामक स्थान में उसे सेना रखने का भी अधिकार मिला साइप्रस इंग्लैंड के अधीन कर दिया गया सर्बिया और मान्टिनिग्रो की स्वाधिनता मान ली गयी बुल्गेरिया को भी स्वतंत्र राज्य मान लिया गया लेकिन उसकी राज्य सीमा डैन्युब नदी तक बाल्कन पर्वतमाला के मध्यवर्ती प्रदेश तक सीमित कर दिया गया। ② पूर्वी रूमानिया का प्रदेश तुर्की के सुल्तान के अधिन कर दिया गया। लेकिन उसके शासन के लिए एक ईसाई गवर्नर की व्यवस्था की गयी तुर्की की अधिनता में मेसिडोनिया तक का प्रदेश रखा गया।

सम्मेलन में फ्रांस ने ट्युनिस इटली ने अलबेनिया तथा त्रिपोली और युनान ने क्रीट थेसली तथा मेसेडोनिया पर दावा किया था मार्के की बात यह थी जर्मनी ने किसी प्रदेश पर दावा न किया था जर्मनी की इस निति का उसे बाद में फायदा हुआ।

खतरा मानता था।

बर्लिन की संधी →

इंग्लैण्ड और आस्ट्रिया ने सन स्टीफनो की संधी का कड़ा विरोध किया अस्ट्रिया जर्मनी से निकल जाने पर बालकन प्रायद्वीप में राज्य विस्तार करके अपनी साम्राज्यवादी भूख मिटाना चाहता था लेकिन रूस उसे मांग का बाधक था। सर्विया मान्टिनिग्रो तथा यूनान विशाल बुल्गेरिया के निर्माण से असंतुष्ट थे इंग्लैण्ड बौखला रहा था ब्रिटिश विदेश मंत्री लार्ड सैलिस-बरी की नजर में विशाल बुल्गेरिया का सृजन एक वैसी सीढी का निर्माण था जिसके सहारे रूस आसानी से कान्सटेंटिनोपुल पहुँच सकता था रूस का एकाधिपत्य कालसागर पर हो जाता। इंग्लैण्ड और आस्ट्रिया ने टर्की साम्राज्य की समस्या को सुलझाने के लिए एक अंतराष्ट्रीय सम्मेलन की मांग की युरोप में जनमत भी सन स्टीफनो संधि के सुधार लाने के पक्ष में था। रूस का विरोधी तो इंगलैण्ड और आस्ट्रिया था ही जर्मनी भी उसे मदद देने के लिए तैयार न था। अतः बाध्य होकर उसे इंग्लैण्ड का प्रस्ताव स्वीकार करना पड़ा अतः सन स्टीफनो की संधी को रद्द करने और एक नयी संधि की व्यवस्था के लिए 10 June 1878 ई० को बर्लिन में एक अंतराष्ट्रीय सम्मेलन की व्यवस्था की गई बिस्मार्क ने इसमें निष्पक्ष दलाल के रुप में सम्मेलन को

इतना ही नहीं रूस ने 1856 ई० की पेरिस संधी कालासागर संबंधी शर्तों को अस्वीकार कर दिया उसने सेवास्टोपोल में किलाबंदी करना शुरू किया कालासागर के तट पर अपनी नौ सेना को मजबूत बनाना शुरू किया रूस का यह कार्य इंगलैण्ड के लिए सिरदर्द का कारण बन गया बालकन प्रायद्वीप की राजनिती मे आस्ट्रिया के हस्तक्षेप से पूर्वी समस्या ने और भी गंभीर रूप धारण कर लिया 1871 ई० के बाद पूर्व की ओर धक्का देने का सिद्धांत आस्ट्रिया की विदेश नीति का मुख्य तत्व था वह भी तुर्की साम्राज्य को कमजोर बनाकर बाल्कन प्रायद्वीप में अपने साम्राज्य का विस्तार करना चाहता था इस प्रकार रूस और आस्ट्रिया के हस्तक्षेप के कारण पूर्वी समस्या काफी गम्भीर हो गई थी।

1877 में तुर्की के विरुद्ध युद्ध की घोषणा कर दी इस युद्ध का अंत 1878 ई० को तथाकथित स्टेफनो की संधी द्वारा हुई संधी के अनुसार सर्विया रूमानिया तथा मान्टिनिग्रो को स्वतंत्र राज्य घोषित किया गया बोस्निया हर्जेगोबिना तथा आरमेनिया के शासन सुधार की व्यवस्था की गयी एक स्वतंत्र बुल्गारिया का निर्माण किया गया रूस को आरमेनिया के ~~अचल~~ से सु बेसरेबिया प्रदेश मिला। तुर्की से हर्जाना के रूप मे एक बड़ी धन राशी वसुल की गई स्मस्टेफनो की संधी से तुर्की साम्राज्य का विनाश हो ~~जाता~~ जाता जिसे इंगलैण्ड